नए निवेशकों संग पुरानी इकाइयों को ऋण दिलाने का लक्ष्य : योगी

राज्य स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक में कहा-बेहतर कानून-व्यवस्था, सही नीतियों से सुधरी प्रदेश की रैंकिंग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्वेस्ट यूपी की उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति (प्रदेश स्तरीय उद्योग बंधु) बैठक में सोमवार को कहा कि प्रदेश में नए निवेशकों के साथ पुरानी इकाइयों को ऋण दिलाने का महाअभियान चलेगा। केंद्र के आत्मनिर्भर पैकेज के अंतर्गत प्रदेश में पूर्व से संचालित इकाइयों को 10,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण वितरित कराया जा चुका है। इन इकाइयों को 15,000 करोड़ रुपये ऋ ण दिलाने का लक्ष्य है। ऑनलाइन कैंपों के माध्यम से करीब 3 लाख 70 हजार एमएसएमई इकाइयों को 13,382 करोड़ रुपये के ऋ ण दिलाए जा चुके हैं। इस वर्ष 20 लाख इकाइयों को 80,000 करोड़ रुपये ऋ ण दिलाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश का उत्तम वातावरण सृजित करने के लिए शुरू से ही प्रयासरत रही है। बेहतर कानून-व्यवस्था, सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए नई औद्योगिक नीतियों का नतीजा है कि प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की रैंकिंग में 12वें पायदान से नंबर 2 पर आ चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक को संबोधित किया।

एमओयू से जुड़े रिकॉर्ड प्रोजेक्ट जमीन पर, 13000 करोड़ के नए प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2018 की इन्वेस्टर्स समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से करीब 2 लाख करोड़ से जुड़ी परियोजनाओं के एमओयू का कार्यान्वयन विभिन्न चरणों में है। देश में एमओयू रूपांतरण को लेकर यह रिकॉर्ड उपलब्धि है। इसी तरह, विदेशों से अपनी इकाइयां हटा कर यहां स्थापित करने के लिए 10 देशों से 50 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ये प्रस्ताव 7,000 करोड़ रुपये से जुड़े हैं। करीब 6,000 करोड़ रुपये के नए निवेश-प्रस्ताव देश के निवेशकों से प्राप्त हुए हैं।

औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि बोले- उद्यम प्रदेश बन रहा यूपी

फिक्की, एसोचैम, सीआईआई, लघु उद्योग भारती और आईआईए जैसे औद्योगिक संगठनों के प्रमुखों ने मुख्यमंत्री की तारीफ की। फिक्की की चेयरपर्सन डॉ. संगीता रेड्डी ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। एसोचैम के चेयरमैन डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि यूपी उद्यम प्रदेश बन रहा है। उद्यमी यहां निवेश करने को तत्पर हैं। सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के चेयरमैन निखिल जीए, पीएचडीसीसीआई के चेयरमैन डॉ. डीके अग्रवाल, आईआईए के अध्यक्ष पंकज कुमार, एफआईईओ के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ , ट्रेड प्रोमोशन कॉउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मोहित सिंगला और लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष बलदेवभाई प्रजापति ने पिछले तीन वर्षों में औद्योगिक विकास के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों को निवेश के अनुकूल बताया। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमियों और औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के सुझावों पर सरकार अमल करेगी।